अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2022

परीक्षा का नाम : अलंकार प्रथम (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : तबला-पखावज

दि. 20/11/2022 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 100

सूचना : 1) प्रश्न क्र. 3 अनिवार्य है ।
2) उर्वरित 6 प्रश्नों में 4 प्रश्न हल किजिए ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्रश्न 1 अ) उचित शब्द चुनकर वाक्य की पूर्ति कीजिये। (10)

1) जिस शब्दसमूह से लय-गतियों का प्रदर्शन होता है, उसे ---- ------ कहते है।
(नाद, आघात, तालमय-ध्वनि)

2) ता, दित्, थुं, ना इन वर्णों की ---------- के रुप मे पखावजपर बजाया जाता है।
(चौमुखा प्रस्तार, चौताल, चौपल्ली)

3) अप्रचलित तालों मे से ब्रम्हताल ---------- मात्रा का है।
(8 मात्रा, 18 मात्रा, 28 मात्रा)

4) मृदा, धातु, काष्ठ निर्मित चर्माच्छादित वाद्यों का समावेश ---- ------ वाद्यों की श्रेणी में होता है।
(अवनध्द, घन, सुषिर)

5) भूमि के वृत्ताकार गड्ढा बनाकर उसे चर्माच्छादित किया जाता था उसे ---------- कहते थे।
(दुन्दुभि, रणदुन्दुभि, भूमिदुन्दुभि)

6) ताल के दस प्राणों मे ---------- यह एक प्राण है।
(ताली, अंग, विभाग)

7) मुख्य सम निकल जाने के पश्चात गीत या गत प्रारंभ होता है, उसे ---------- कहते है।
(समग्रह, अवग्रह, अतीतग्रह)

8) वादन मे किसी बंदिश को उसके बोल और लय के अनुसार तुरत्न नया रुप देना ही ---------- है।
(उपज, उठान, आमद)

9) गुरु, आचार्य, शिक्षक इसी क्रम मे ---------- शब्द का भी प्रयोग किया जाता है।
(महंत, विद्वान, उस्ताद)

10) चिल्ला का क्रम साधारणत: -------- दिनों का होता है।
(30, 40, 50)

ब) जोडियाँ लगाईये। **(10)**

1) 4 मे 5	1) गण
2) 4 मे 7	2) पडार
3) चतुरस्त्र	3) चौपल्ली
4) छन्द	4) बिआड लय
5) पखावज	5) कुआड लय
6) पिपिलिका	6) जाति
7) लयकारी युक्त चार पल्ले	7) यति
8) नगमा	8) चच्चत्पुटम्
9) संकीर्ण	9) आवर्तन
10) सम से समतक	10) लहरा

प्रश्न 2 **तबला/पखावज वाद्य का संक्षिप्त इतिहास बताते हुए उसका आधुनिक विकास विस्तृत लिखें तथा कोई दो विद्वान कलाकारों द्वारा तत्संबंधी किये गये कार्य की जानकारी स्पष्टरुप से लिखें। (कलाकारों के नाम लिखना अनिवार्य)** **(20)**

प्रश्न 3 लिपिबध्द कीजिये। (कोई भी दो) (20)

अ) आडाचौताल / धमार ताल मे तिपल्ली और चौपल्ली गत।

ब) तीनताल मे मिश्र जातिका कायदा, तीन पल्टे और तिहाई सहित।

क) चौताल मे फरमाईशी चक्रदार।

ड) सूलताल मे पानसे घराने की दो साथ परने तथा चक्रदार।

इ) पंचम सवारी / गजझंपा ताल मे चक्रदार।

प्रश्न 4 ''नाद'' की स्पष्ट परिभाषा दीजिये। नाद का (20)
छोटा-बडापन, नाद की जाति अथवा गुण, नाद की उँचाई-
नीचाई तथा गुणधर्म का विवेचन कीजिये।

प्रश्न 5 किसी एक चक्रदार को कुछ भी परिवर्तन न करते हुये (20)
कोई भी दो तालों में लिपीबध्द कीजिये तथा उसके गणितीय
सिध्दांत को समझाईये।

प्रश्न 6 अ) किसी दो घन वाद्यों की, बनावट के आधार पर (10)
सचित्र जानकारी दीजिये।

ब) घन और अवनध्द वाद्य का परस्पर संबंध के बारे मे (10)
लिखे।

प्रश्न 7 निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा दीजिये तथा (5X4= 20)
वर्तमानताल पध्दति मे इनकी उपयोगिता के बारे मे अपने
तर्कपूर्ण विचार संक्षेप मे लिखे।

1) अंग, 2) ग्रह, 3) जाति, 4) प्रस्तार।